

अध्याय 19

चार चने

प्रश्न-अभ्यास

चार चने होते तो

प्रश्न 1.

चार चने देकर इनसे क्या-क्या करवाया जा सकता है?

उत्तर :

माली – चार चने देकर माली से फूल-पौधों की देखभाल कराई जा सकती है।.....

हलवाई – चार चने देकर हलवाई से जलेबियाँ ली जा सकती हैं।.....

दीदी – चार चने देकर दीदी के साथ खेलने पार्क में जाया जा सकता है।.....

दोस्त – “चार चने देकर दोस्त को अपने घर खेलने के लिए बुलाया जा सकता है।.....

किसने खाया?

चार चने में से

एक चना तोते को खिलाया।

दूसरा चना घोड़े को खिलाया।

तीसरा चना चूहे को खिलाया।

प्रश्न 2.

एक चना बच गया, उसे किसे खिलाओगे?

उत्तर :

बचे हुए एक चने को मैं अपने पालतू खरगोश को खिलाऊँगा।

दो अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: कवि क्या कहना चाहते हैं जब वे कहते हैं, "अगर मेरे पास पैसे होते तो मैं चार चने लाता"?

उत्तर: कवि इस वाक्य के माध्यम से यह बता रहे हैं कि वे अगर सामर्थ्य होते, तो वे चार चने लाकर उन्हें विभिन्न प्राणियों को खिलाते, जिससे प्राणी अपनी खुशी में शामिल होते और मज़ा करते।

प्रश्न: चूहे को चना खिलाने के बाद कवि क्या सिखाना चाहते हैं?

उत्तर: चूहे को चना खिलाने के बाद, कवि यह सिखाना चाहते हैं कि हमें कभी-कभी छोटे और साधारण प्राणियों के साथ ही मज़ा करना चाहिए, और यह सिखाना चाहते हैं कि छोटी चीज़ें भी हमें बड़ा मज़ा दे सकती हैं।

प्रश्न: चना खिलाने से चूहे के साथ क्या हुआ?

उत्तर: चना खिलाने से चूहे का दाँत टूट गया और वह बड़ा मज़ा आया।

चार अंक के प्रश्न और उत्तर

प्रश्न: कवि ने चूहे को चना खिलाने के संदर्भ में कौन-कौन से प्राणी खिलाए जा सकते हैं?

उत्तर: कवि ने चूहे को चना खिलाने के संदर्भ में तोता, हाथी, और बन्दर के साथ खिलाए जा सकते हैं।

प्रश्न: कवि कौन-कौन से प्राणियों को चना खिलाने के बारे में सोचते हैं?

उत्तर: कवि तोता, हाथी, और बन्दर को चना खिलाने का सोचते हैं।

प्रश्न: कवि का किस प्राणी के साथ तुलना करने का तरीका क्या है?

उत्तर: कवि ने तुलना करते समय छोटे और साधारित प्राणियों के साथ मज़ा करने का तरीका बताया है, जिससे उन्हें दिखाना है कि छोटी चीजें भी बड़ा मज़ा दे सकती हैं।

प्रश्न: चूहे को चना खिलाने से कवि ने क्या सिखाना चाहा?

उत्तर: कवि ने यह सिखाना चाहा है कि छोटी चीजें भी हमें बड़ा मज़ा दे सकती हैं और हमें हमारी अकड़ को छोड़कर अनुप्रयोगी और साधारित चीजों में भी आनंद लेना चाहिए।

कविता का सारांश

‘चार चने’ कविता के रचयिता निरंकारदेव सेवक हैं। इस कविता में कवि ने यह बताया है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह क्या करता। कवि कहता है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह चार चने लाता। उनमें से एक चना वे तोते को खिलाते। चना खाते ही तोता टाँय-टाँय गाता और उन्हें बड़ा मज़ा आता। कवि फिर कहता है कि उसके पास यदि पैसे होते तो वह चार चने लाता। उनमें से एक चना वह घोड़े को खिलाता। इससे घोड़ा उन्हें पीठ पर बैठाता और उसे बड़ा मज़ा आता। अंत में, कवि पुनः कहता है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह चार चने लाता और एक चना चूहे को खिलाता। चूहा जब चना खाता तो उसका दाँत टूट जाता और उन्हें बड़ा मज़ा आता।

प्रसंग: प्रस्तुत पंक्तियाँ हमारी पाठ्यपुस्तक रिमझिम, भाग-1 में संकलित कविता ‘चार चने’ से ली गई हैं। इसमें कवि ने यह इच्छा जताई है कि उसके पास यदि पैसे होते तो वह क्या करता।

व्याख्या: इन पंक्तियों में कवि कहता है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह चार चने लाता। चार में से एक चना वह अपने तोते को खिलाता। चना खाते ही तोता टाँय-टाँय गाने लगता और उन्हें बड़ा मज़ा आता।

प्रसंग: पूर्ववत।

व्याख्या: उपर्युक्त पंक्तियों में कवि कहता है कि यदि उसके पास पैसे होते तो वह चार चने लाता। उन चार चनों में से एक चना वह अपने घोड़े को खिलाता। जब घोड़ा चना खाता तो उसे पीठ पर बैठाता और उसे बड़ा मज़ा आता।

प्रसंग: पूर्ववत।

व्याख्या: प्रस्तुत पंक्तियों में कवि कहता है कि उसके पास यदि पैसे होते तो वह चार चने लाता। चार में से एक चना वह चूहे को खिलाता। चूहा चना खाता तो उसके दाँत टूट जाते। इससे कवि को बहुत मज़ा आता।